

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम और अंकों का अध्यायवार विभाजन (2024-25)

कक्षा:-9वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 089

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 20 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 60 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 60 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
 - i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
 - ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 10 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
 - iv) किसी एक राग और किसी एक ताल का प्रायोगिक/क्रियात्मक ज्ञान के 20 अंक।
 - v) राष्ट्रीय गान की धुन, कोई भी लोक गीत धुन की मौखिक परीक्षा के 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:
 - i) 06 अंकों के लिए तीन SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
 - ii) 02 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
 - iii) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।
 - iv) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

v) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक



पाठ्यक्रम संरचना (2024-25)

कक्षा:-9वीं

विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI

कोड: 089

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	संगीत संबंधी परिभाषाएँ	4
2	थाट की परिभाषा व थाट के नियम	2
3	स्थाई-अंतरा, आलाप, तान की परिभाषा	2
4	संगीतज्ञ के जीवन परिचय-	4
5	उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति	2
6	रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान -	6
कुल अंक		20
क्रियात्मक परीक्षा अंक		60
आंतरिक मूल्यांकन अंक		20
कुल योग		100

● अध्याय 1 : संगीत संबंधी परिभाषाएँ

1. संगीत की परिभाषा

- संगीत के प्रकार – गायन, वादन और नृत्य

2. ध्वनि की परिभाषा

- ध्वनि के बोधक – उत्पादक, माध्यम, ग्राहक
- कंपन के प्रकार – अनुप्रस्थ कंपन, अनुदैर्घ्य कंपन

3. नाद की परिभाषा

- नाद के प्रकार – आहत नाद, अनाहत नाद
- नाद की विशेषताएं – तारता, तीव्रता, गुण

4. श्रुति की परिभाषा

- श्रुतियों के नाम

5. स्वर की परिभाषा

- स्वर के प्रकार – शुद्ध स्वर, कोमल स्वर, तीव्र स्वर

6. सप्तक की परिभाषा

- सप्तक के प्रकार – मंद्र सप्तक, मध्य सप्तक और तार सप्तक

7. अलंकार की परिभाषा

- शुद्ध स्वरों में एक से आठ अलंकार

8. ताल की परिभाषा

- ताल के दस प्राण
- विभिन्न परिभाषाएं – ताली, खाली, सम, मात्रा, बोल, विभाग, आवर्तन

9. लय की परिभाषा

- लय के प्रकार – विलंबित लय, मध्य लय, द्रुत लय

10. राग की परिभाषा

- राग के नियम

11. आरोह-अवरोह, पकड़ की परिभाषा

- आरोह-अवरोह और पकड़ के स्वरों का एक-एक उदाहरण

12. वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी स्वर की परिभाषा

अध्याय 2 : थाट की परिभाषा व थाट के नियम

- थाट की परिभाषा और थाट के नियम।

अध्याय 3 : स्थाई-अंतरा, आलाप, तान की परिभाषा

- स्थाई-अंतरा की परिभाषा।
- आलाप गायन की परिभाषा व आलाप के आधुनिक प्रकार
- तान की परिभाषा व तान के मुख्य प्रकार – बोल तान, स्वर तान

अध्याय 4 : संगीतज्ञ के जीवन परिचय :

1. पं० रविशंकर का जीवन परिचय।

- संगीत के क्षेत्र में पं० रविशंकर का योगदान और जीवन परिचय।

2. अन्नपूर्णा देवी का जीवन परिचय।

- संगीत के क्षेत्र में अन्नपूर्णा देवी का योगदान और जीवन परिचय।

अध्याय 5 : उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति

- उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में समानताएं
- उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में भाषा, ताल, राग वर्गीकरण, गायन शैलियाँ, वादन शैलियाँ, स्वर में विभिन्नताएं

अध्याय 6 : रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान

- राग भैरव, यमन और भैरवी का शास्त्रीय परिचय – थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी-संवादी स्वर, गायन समय, आरोह-अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर
- राग भैरव, यमन और भैरवी के छोटे ख्याल की रजाखानी गत / स्वरलिपि पद्धति।

प्रायोगात्मक / क्रियात्मक :

अध्याय : 7 रागों का क्रियात्मक ज्ञान

1. राग भैरव, यमन और भैरवी का शास्त्रीय परिचय –

- थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी-संवादी स्वर, गायन समय, आरोह-अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर

2. राग भैरव, यमन और भैरवी राग की धुन (रजाखानी गत वाद्य यंत्र पर बजा कर दिखायें)

अध्याय : 8 राष्ट्रीय गान।

- राष्ट्रीय गान की धुन बजाकर दिखाए (अपने वाद्य यंत्र पर) क्रियात्मक ज्ञान

अध्याय : 9 लोक गीत।

- कोई भी लोक गीत धुन सुनाये (अपने वाद्य यंत्र पर) –क्रियात्मक ज्ञान

अध्याय : 10 किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –
निम्न में से किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –

सितार, सरोद, वायलिन, दिलरूबा/इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी)क्रियात्मक ज्ञान



मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा:-9वीं

विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI

कोड: 089

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	<p>अध्याय 1 : संगीत संबंधी परिभाषाएँ</p> <p>1.संगीत की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ संगीत के प्रकार – गायन, वादन और नृत्य <p>2. ध्वनि की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ ध्वनि के बोधक – उत्पादक, माध्यम, ग्राहक ■ कंपन के प्रकार – अनुप्रस्थ कंपन, अनुदैर्घ्य कंपन <p>3. नाद की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ नाद के प्रकार – आहत नाद, अनाहत नाद ■ नाद की विशेषताएं – तारता, तीव्रता, गुण <p>4. श्रुति की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ श्रुतियों के नाम <p>5. स्वर की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ स्वर के प्रकार – शुद्ध स्वर, कोमल स्वर, तीव्र स्वर <p>6. सप्तक की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ सप्तक के प्रकार – मंद्र सप्तक, मध्य सप्तक और तार सप्तक 	06	06	06
मई	<p>अध्याय 1 : संगीत संबंधी परिभाषाएँ</p> <p>1. अलंकार की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ शुद्ध स्वरों में एक से आठ अलंकार <p>2. ताल की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ ताल के दस प्राण 	04	04	08

	<ul style="list-style-type: none"> ■ विभिन्न परिभाषाएं – ताली, खाली, सम, मात्रा, बोल, विभाग, आवर्तन <p>3. लय की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ लय के प्रकार – विलंबित लय, मध्य लय, द्रुत लय <p>4. राग की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ राग के नियम <p>5. आरोह-अवरोह, पकड़ की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ आरोह-अवरोह और पकड़ के स्वरों का एक-एक उदाहरण <p>6. वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी स्वर की परिभाषा</p>			
जून	(गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	<p>अध्याय 2 : थाट की परिभाषा और थाट के नियम।</p> <p>अध्याय 3 : स्थाई-अंतरा, आलाप, तान की परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> ■ स्थाई-अंतरा की परिभाषा। ■ आलाप गायन की परिभाषा व आलाप के आधुनिक प्रकार ■ तान की परिभाषा व तान के मुख्य प्रकार – बोल तान, स्वर तान 	06	04	04
अगस्त	अध्याय 6 व 7 : रागों व तालों का सैद्धान्तिक व क्रियात्मक ज्ञान	04	02	10

	<p>1. राग भैरव, यमन और भैरवी का शास्त्रीय परिचय –</p> <ul style="list-style-type: none"> थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी-संवादी स्वर, गायन समय, आरोह-अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर <p>2. राग भैरव, यमन और भैरवी के छोटे ख्याल रजाखानी गत / स्वरलिपि पद्धति व धुन (वाद्य यंत्र पर बजा कर दिखायें)।</p>			
सितंबर	दोहराई	04	04	08
अक्तूबर	<p>अध्याय 4 :संगीतज्ञ के जीवन परिचय :</p> <p>1. पं० रविशंकर का जीवन परिचय।</p> <ul style="list-style-type: none"> संगीत के क्षेत्र में पं० रविशंकर का योगदान और जीवन परिचय। <p>2. अन्नपूर्णा देवी का जीवन परिचय।</p> <ul style="list-style-type: none"> संगीत के क्षेत्र में अन्नपूर्णा देवी का योगदान और जीवन परिचय। 	06	02	04
नवंबर	<p>अध्याय : 8 राष्ट्रीय गान।</p> <ul style="list-style-type: none"> राष्ट्रीय गान की धुन बजाकर दिखाए (अपने वाद्य यंत्र पर) क्रियात्मक ज्ञान 	05	05	08

दिसंबर	<p>अध्याय 5 : उत्तर और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति</p> <ul style="list-style-type: none"> उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में समानताएं। उत्तरी और दक्षिण भारतीय संगीत पद्धति में भाषा, ताल, राग वर्गीकरण, गायन शैलियाँ, वादन शैलियाँ, स्वर में विभिन्नताएं। <p>अध्याय : 10 किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –</p> <ul style="list-style-type: none"> निम्न में से किसी एक वाद्य को बजाने की जानकारी –सितार, सरोद, वायलिन, दिलरूबा / इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सांरगी)क्रियात्मक ज्ञान 	04	04	10
जनवरी	<p>अध्याय : 9 लोक गीत।</p> <ul style="list-style-type: none"> कोई भी लोक गीत धुन सुनाये (अपने वाद्य यंत्र पर) –क्रियात्मक ज्ञान 	05	05	08
फ़रवरी	<p>(दोहराई)</p> <p>वार्षिक क्रियात्मक परीक्षा</p>		10	12

मार्च	वार्षिक परीक्षा			
-------	-----------------	--	--	--

नोट:

विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली परिभाषात्मक शब्दों की / नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।



प्रश्न पत्र प्रारूप (2024-25)

कक्षा:-9वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोड: 089

समय: 2½ घंटे

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	05	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 01 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 01 अभिकथन-कारण प्रश्न 01 एक शब्दीय उत्तर के प्रश्न।	05
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	2	02	दोनों प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	04
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	3	02	दोनों प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	06
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	5	01	एक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	05
कुल		10		20

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 20 marks, practical examination will be of 60 marks and internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical test for 60 marks questions will be asked in the following way –
 - i) Practical/Activity Booklet for 20 marks.
 - ii) Oral test of 10 marks on classical introduction to any one raga.
 - iii) Oral test of 05 marks for classical introduction to any one Taal.
 - iv) 20 marks for practical knowledge of any one raga and any one taal.
 - v) Tune of the National Anthem and any Folk song 05 marks in oral examination.

4. For internal assessment:

The periodic evaluation will be as follows:

- i) For 6 marks - Three SAT exams will be conducted which will have a weightage of 06 marks for the final internal assessment.
- ii) For 2 marks - A half-yearly examination will be conducted which will have a weightage of 02 marks for the final internal assessment.

- iii) For 02 marks - The subject teacher will evaluate for CRP (classroom participation) and give a maximum of 02 marks.
- iv) For 05 marks - A project work will be done by the students which will have a weightage of 05 marks for the final internal assessment.
- v) For 05 marks - 05 marks will be awarded as per the attendance of the student.

Above 75% to 80% = 1 marks
Above 80% to 85% = 2 marks
Above 85% to 90% = 3 marks
Above 90% to 95% = 4 marks
Above 95% = 5 marks

Course Structure (2024-25)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Definitions related to music	4
2	Definition of Thaata and rules of Thaata	2
3	Definition of Sthai-Antra, Alap, Taan	2
4	Biography of Musicians	4
5	North and South Indian Music Systems	2
6	Theoretical knowledge of Ragas -	6
Total		20
Practical Examination		60
Internal Assessment		20
Grand Total		100

Chapter 1: Definitions of Music

1. Definition of Music

- Types of music - singing, playing and dancing

2. Definition of Sound

- Perceivers of sound – producer (utpadk), medium(madhayam, consumer (Gun)

- Types of Vibration (Andolan) (Andolan) - transverse Vibration (Andolan) (Andolan), longitudinal Vibration (Andolan) (Andolan)

3. Definition of sound

- Types of Naad - Aahat Naad, Anahat Naad
- Characteristics of sound - Pitch (Tarta), Intensity (Tivrta), Quality (Gun)

4. Definition of Shruti

- Names of Shrutis

5. Definition of Swara

- Types of Swara – Shudh Swara, Komal Swara, Tivre Swara.

6. Definition of octave (Saptak)

- Types of Saptak - Mandra Saptak, Madhya Saptak and Tar Saptak

7. Definition of Ornament (Alankar)

- One to eight Alankar in Shudh Swara

8. Definition of Rhythm (Taal)

- Ten Pranas of Rhythm (Taal)
- Various definitions – Clap (Taali), blank (Khali), even (Sam), quantity (Matrayen), bol, division (Vibhag), rotation (Aavartan)
- Three taals, Kaharwa taal, Dadra taal's scripted one guna.

9. Definition of rhythm (Laya)

- Types of rhythm (Laya) – Delayed rhythm (Vilambhit Laya) (Vilambhit Laya), Middle rhythm (Madhya Laya) (Madhya Laya), Fast rhythm (Dhrut Laya). (Dhrut Laya).

10. Definition of Raga

- Rules of Raga

11. Definition of Aaroh – Avroh and Pakad

- One example each of Aaroh – Avroh and Pakad Swara

12. Definition of Plaintiff (Vaadi), Conversant (Sanwadi), Translator (Anuvaadi, Controversial (Vivadi) Swara.

Chapter 2: Definition of Thaata and Rules of Thaata

- Definition of Thaata and rules of Thaata.

Chapter 3: Definition of Sthai-Antara, Aalap, Taan

- Definition of Sthai-Antra.
- Definition of Aalap singing and modern types of Aalap
- Definition of Taan and main types of Taan - spoken Swara (Bol Taan), vocal Swara (Swara Taan).

Chapter 4: Biography of the Musician:

1. Life introduction of Pt. Ravi Shankar.

- Contribution and life introduction of Pandit Ravi Shankar in the field of music.

2. Life introduction of Annapurna Devi.

- Contribution and life introduction of Annapurna Devi in the field of music.

Chapter 5: North and South Indian Music Systems

- Similarities in North and South Indian music system
- Language, rhythm, raga classification, singing styles, playing styles, differences in Swara in North and South Indian music system

Chapter 6: Theoretical Knowledge of Ragas

- Classical introduction to Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi -
Thaat, caste (Jati), swara, nyas's swar, plaintive-conversational swar (Vaadi-Samvadi swara), singing time, aroh-avroh's swar, grip's (Pakad's) swar
- Rajakhani Gat/Swarlipi method of Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi.

Experimental/Functional :

Chapter: 7 Functional Knowledge of Ragas

1. **Classical introduction to Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi** -
 - Thaath, caste (Jati), swara, nyas's swar, plaintive-conversational swar (Vaadi-Samvadi swara), singing time, aroh-avroh's swar, grip's (Pakad's) swar
2. **Tune (Dhun) of Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi (show it by playing it on the instrument)**

Chapter: 8 National Anthem.

- Demonstrate practical knowledge by playing the tune of the National Anthem (on your instrument)

Chapter: 9 Folk Songs.

- Recite any folk song tune (Dhun) (on your instrument) - practical knowledge

Chapter: 10 Information about playing any one instrument -

- Knowledge of playing any one of the following instruments -
- Sitar, Sarod, Violin, Dilruba/Israj, Flute, Mandolin, Guitar, Sarangi) practical knowledge

Month wise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class- 9th

Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI

Code: 089

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	<p>Chapter:1 Definitions of Music</p> <p>1. Definition of Music <input type="checkbox"/> Types of music - singing, playing and dancing</p> <p>2. Definition of Sound <input type="checkbox"/> Perceivers of sound - producer (utpadk), medium(madhayam, consumer (Gun) <input type="checkbox"/> Types of Vibration (Andolan) (Andolan) – transverse Vibration (Andolan), longitudinal Vibration (Andolan)</p> <p>3. Definition of sound <input type="checkbox"/> Types of Naad - Aahat Naad, Anahat Naad <input type="checkbox"/> Characteristics of sound - Pitch (Tarta), Intensity (Tivrta), Quality (Gun)</p> <p>4. Definition of Shruti <input type="checkbox"/> Names of Shrutis</p> <p>5. Definition of Swara <input type="checkbox"/> Types of Swara - pure Swara, soft Swara, sharp Swara</p>	06	06	06

	<p>6. Definition of octave (Saptak)</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Types of Saptak - Mandra Saptak, Madhya Saptak and Tar Saptak 			
May	<p>Chapter 1: Definitions of Music</p> <p>1. Definition of Ornament (Alankar)</p> <ul style="list-style-type: none"> □ One to eight Alankar in pure Swara <p>2. Definition of Rhythm (Taal)</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Ten Pranas of Rhythm (Taal) □ Various definitions - clap (Taali), blank (Khaali), even (Sam), quantity (Matrayen), bol, division (Vibhag), rotation (Avartan) □ Three taals, Kaharwa taal, Dadra taal's scripted one guna. <p>3. Definition of Rhythm (Laya)</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Types of rhythm - delayed (vilambit) rhythm, middle (madhya) rhythm, fast (Dhruv) rhythm <p>4. Definition of Raga</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Rules of melody <p>5. Ascension, definition of hold</p> <ul style="list-style-type: none"> □ One example each of Aaroh – Avroh and Pakad Swara 	04	04	08

	6. Definition of Vaadi-Samwadi and pakad swara			
June	Activity to be assigned			
July	<p>Chapter 2: Definition of Thaata and Laws of Thaata.</p> <p>Chapter 3: Definition of Sthai-Antara, Aalap, Taan</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Definition of Sthai - Antra. <input type="checkbox"/> Definition of Aalap singing and modern types of Aalap <input type="checkbox"/> Definition of Swara and main types of Swara - spoken Swara, vocal Swara 	06	04	04
August	<p>Chapter 6 and 7: Theoretical and practical knowledge of ragas and talas</p> <p>1. Classical introduction to Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi -</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Thaata, caste (Jati), swara, nayas's swar, plaintive-conversational swar (Vaadi-Samvadi swara), singing time, 	04	02	10

	<p>aroh-avroh's swar, grip's (Pakad's) swar</p> <p>2. Rajakhani Gat/Swarlipi method and tune of Raag Bhairav, Yaman and Bhairavi (show it by playing on the instrument).</p>			
September	Revision	04	04	08
October	<p>Chapter 4: Biography of the Musician:</p> <p>1. Life introduction of Pt. Ravi Shankar.</p> <p><input type="checkbox"/> Contribution and life introduction of Pandit Ravi Shankar in the field of music.</p> <p>2. Life introduction of Annapurna Devi.</p> <p><input type="checkbox"/> Contribution and life introduction of Annapurna Devi in the field of music.</p>	06	02	04
November	<p>Chapter: 8 National Anthem.</p> <p>Demonstrate practical knowledge by playing the tune of the National Anthem (on your instrument)</p>	05	05	08
December	Chapter 5: North and South Indian Music Systems	04	04	10

	<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Similarities in North and South Indian music systems. <input type="checkbox"/> Language, taal, raga classification, singing styles, playing styles, differences in Swara in North and South Indian music system. <p>Chapter: 10 Information about playing any one instrument -</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Knowledge of playing any one of the following instruments - Sitar, Sarod, Violin, Dilruba/Israj, Flute, Medolin, Guitar, Sarangi) Functional knowledge 			
January	<p>Chapter: 9 Folk Songs.</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Recite any folk song tune (on your instrument) - practical knowledge 	05	05	08
February	<p>(Revision)</p> <p>Annual Practical Examination</p>		10	12
March	Annual Examination			

Note: Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design (2024-25)

Class- 9th Subject: Hindustani Music (Instrument)MHI Code: 089

Time: 2½ Hours

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	1	05	02 Multiple choice questions. 01 Fill in the blanks Questions. 01 Assertion Reason Questions 01 One word answer type questions.	05
Very short answer type questions	2	02	Internal choice will be given in all questions.	04
Short answer questions	3	02	Internal choice will be given in all questions.	06
Long answerable Question	5	01	Internal choice will be given in all questions.	05
Total		10		20